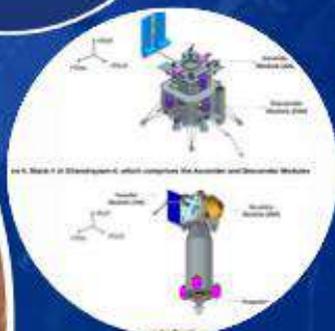
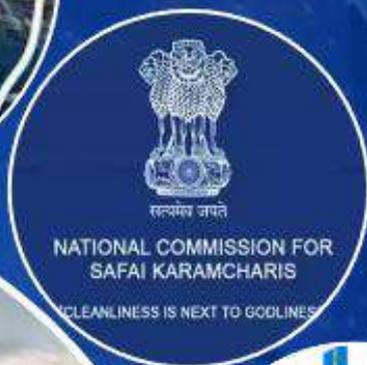
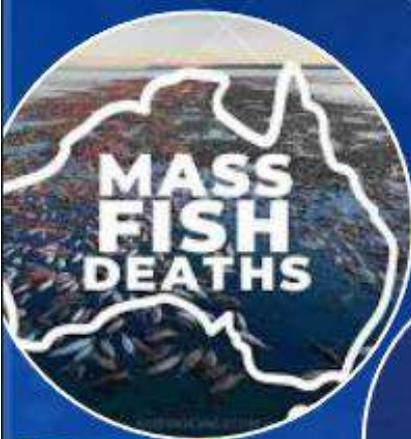


RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण



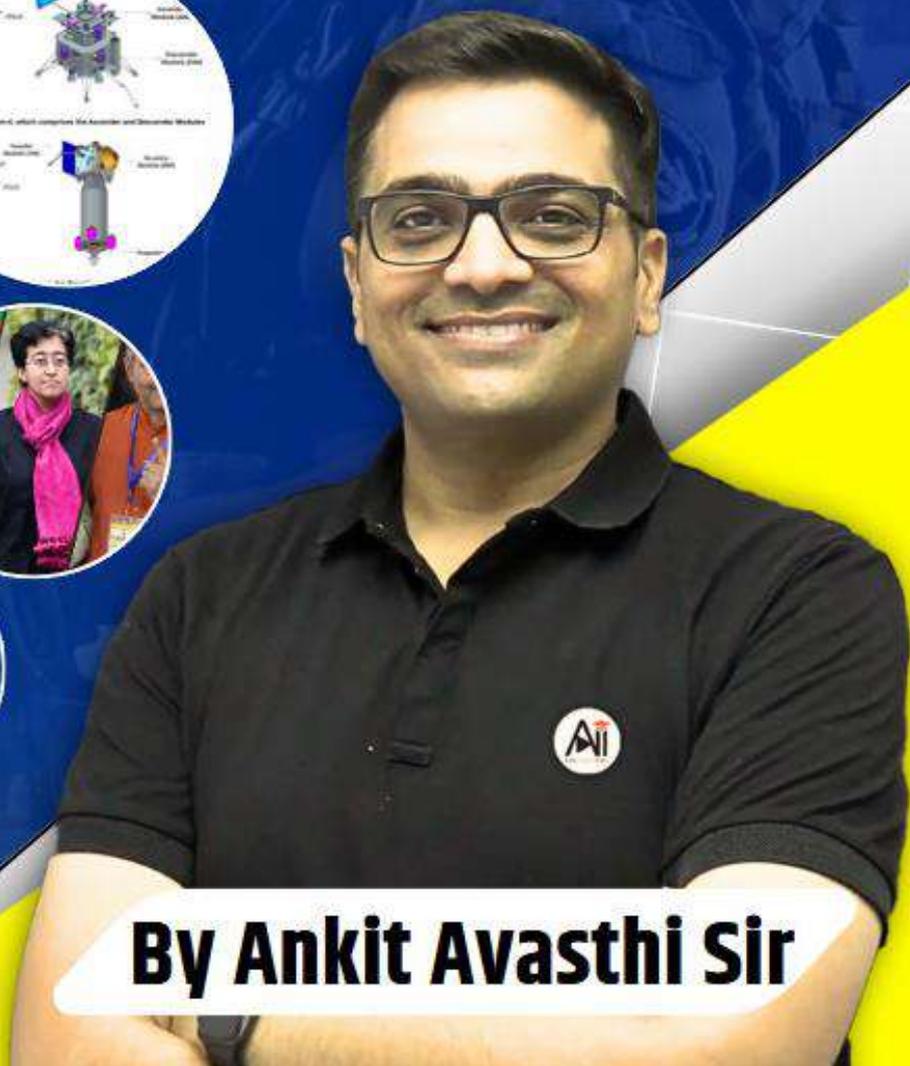
SOLAR ENERGY
CROSSED 100 GW SOLAR CAPACITY
MNRE 31 JAN 2025
**TARGET 500GW
BY 2030**



DATE
फरवरी
10
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors



By Ankit Avasthi Sir

राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग / National Commission for Safai Karamcharis

संदर्भ:

केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग (NCSK) के कार्यकाल को मार्च 2028 तक तीन वर्षों के लिए बढ़ाने को मंजूरी दे दी है। यह फैसला सफाई कर्मचारियों के कल्याण और अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लिया गया है।

- राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग (NCSK) के तीन वर्ष के विस्तार से कुल वित्तीय भार लगभग 50.91 करोड़ रुपये होगा।

राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग:

स्थापना और कानूनी स्थिति:

- राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग अधिनियम, 1993 को सितम्बर- 1993 में अधिनियमित किया गया था तथा एक वैधानिक राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग का गठन पहली बार अगस्त, 1994 में किया गया था।
- 2004 में अधिनियम की अवधि समाप्त होने के बाद, यह एक गैर-सांविधिक (Non-Statutory) निकाय बन गया।
- 2013 के "सफाई कर्मचारियों के रूप में रोजगार निषेध और पुनर्वास अधिनियम" के लागू होने के बाद, आयोग के कार्यक्षेत्र का विस्तार किया गया।

संगठनात्मक संरचना:

- मंत्रालय:** यह सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के तहत कार्य करता है।
- संरचना:**

- अध्यक्ष - राज्य मंत्री के समकक्ष रैंक।
- उपाध्यक्ष - भारत सरकार के सचिव के समकक्ष रैंक।
- पाँच सदस्य, जिनमें एक महिला सदस्य शामिल होती है (सभी सचिव स्तर के अधिकारी)।
- सचिव - भारत सरकार के संयुक्त सचिव के समकक्ष।
- अन्य सहायक स्टाफ।

राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग (NCSK) के कार्य:

मुख्य दायित्व: NCSK का कार्य सफाई कर्मचारियों के सामाजिक और आर्थिक कल्याण को सुनिश्चित करना और उनके लिए उचित नीतियाँ सुझाना है।

प्रमुख कार्य:

- सफाई कर्मचारियों के लिए असमानताओं को दूर करना:** सरकार को विशेष कार्यक्रमों की सिफारिश करना, जिससे सफाई कर्मचारियों की स्थिति, सुविधाओं और अवसरों में सुधार हो।
- कल्याणकारी योजनाओं का मूल्यांकन:** सफाई कर्मचारियों और मैला देने वालों के लिए लागू योजनाओं और कार्यक्रमों का अध्ययन और मूल्यांकन करना।
- शिकायतों की जांच और स्वतः संज्ञान लेना:** सफाई कर्मचारियों से संबंधित योजनाओं के सही कार्यान्वयन की निगरानी करना।
 - यदि योजनाओं या नीतियों का सही पालन नहीं हो रहा है, तो स्वतः संज्ञान लेकर कार्रवाई की सिफारिश करना।

- कार्यस्थल की स्थितियों की निगरानी:** सफाई कर्मचारियों के स्वास्थ्य, सुरक्षा और मजदूरी की स्थिति का अध्ययन और निगरानी करना।
- केंद्र और राज्य सरकारों को रिपोर्ट प्रस्तुत करना:** सफाई कर्मचारियों की कठिनाइयों और समस्याओं को ध्यान में रखते हुए सरकार को रिपोर्ट और सुझाव देना।
- अन्य संदर्भित कार्य:** केंद्र सरकार द्वारा सौंपे गए अन्य मामलों को देखना।

2013 के "मैला देने वालों के रूप में रोजगार निषेध और पुनर्वास अधिनियम" के तहत कार्य:

- कानून के कार्यान्वयन की निगरानी करना।
- इस कानून के उल्लंघन की शिकायतों की जांच कर उचित कार्रवाई की सिफारिश करना।
- केंद्र और राज्य सरकारों को कानून के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए सलाह देना।
- यदि कानून का पालन नहीं हो रहा है, तो स्वतः संज्ञान लेकर कार्रवाई की सिफारिश करना।

सफाई कर्मचारियों द्वारा झेली जाने वाली समस्याएँ:

1. खतरनाक कार्य परिस्थितियाँ:

- त्वचा और श्वसन संबंधी बीमारियाँ - जैसे एक्जिमा, स्केली डर्मेटाइटिस, और अन्य संक्रमण।
- असुरक्षित सफाई तकनीक - बिना सुरक्षात्मक उपकरणों के काम करने से स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव।

2. सामाजिक बहिष्कार और सुरक्षा की कमी

- अधिकांश सफाई कर्मचारी हाशिए पर रहने वाले समुदायों से आते हैं और सामाजिक बहिष्कार का सामना करते हैं।
- सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की कमी के कारण वित्तीय असुरक्षा बनी रहती है।

सफाई कर्मचारियों के कल्याण के लिए पहल

- राष्ट्रीय मैकेनाइज्ड सैनिटेशन ईकोसिस्टम योजना
- स्वच्छ भारत मिशन 2.0

निष्कर्ष:

NCSK सफाई कर्मचारियों के अधिकारों की सुरक्षा, उनके सामाजिक और आर्थिक उत्थान और कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

चंद्रयान-4 मिशन / Chandrayaan-4 Mission

संदर्भ:

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री **जितेंद्र सिंह** ने घोषणा की कि **चंद्रयान-4 मिशन वर्ष 2027 में लॉन्च किया जाएगा**। इस मिशन का लक्ष्य **अखंड और अशुद्धि-रहित चंद्र नमूने** वापस लाना है, जिससे वैज्ञानिक अनुसंधान को नई दिशा मिलेगी।

चंद्रयान-4 मिशन:

- चंद्रयान-3 की सफलता के बाद, इसरो अब **चंद्रयान-4** पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।
- यह एक **लूनर सैंपल-रिटर्न मिशन** होगा।
- इस मिशन का उद्देश्य:
 - **सॉफ्ट लैंडिंग** करना।
 - **चंद्र चट्टानों के नमूने एकत्र** करना।
 - **नमूनों को पृथ्वी पर वापस लाना**।
- यदि सफल होता है, तो भारत **संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस और चीन** के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाला चौथा देश बनेगा।

मुख्य उद्देश्य:

- चंद्रमा की सतह पर **सुरक्षित और सॉफ्ट लैंडिंग** करना।
- **चंद्र नमूनों का संग्रहण और भंडारण** करना।
- **चंद्र सतह से टेक-ऑफ** करना।
- **चंद्र कक्षा में डॉकिंग और अनडॉकिंग** करना।
- **अंतरिक्ष यान मॉड्यूल के बीच नमूनों का स्थानांतरण**।
- **संग्रहित नमूनों को सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर वापस लाना**।

मिशन रणनीति और घटक:

1. **प्रोपल्शन सिस्टम:** लैंडर और एसेंडर स्टेज को चंद्रमा तक पहुंचाने के लिए।
2. **डिसेंडर:** चंद्रमा पर उतरने और नमूने एकत्र करने वाले उपकरण ले जाने के लिए।
3. **एसेंडर:** लैंडर से अलग होकर नमूने एकत्र करने के बाद चंद्र सतह से उड़ान भरने के लिए।
4. **ट्रांसफर मॉड्यूल:** एसेंडर से नमूने प्राप्त कर उन्हें री-एंट्री मॉड्यूल तक पहुंचाने के लिए।
5. **री-एंट्री मॉड्यूल:** नमूनों को सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर वापस लाने के लिए, जो पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश का सामना कर सके।

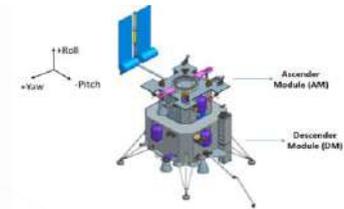


Figure 4. Stack-1 in Chandrayaan-4, which comprises the Ascender and Descent Modules

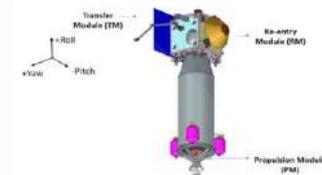


Figure 5. Stack-2 in Chandrayaan-4, which comprises the Transfer, Re-entry and Propulsion Modules

विस्तृत पेलोड:

- **लूनर प्रोपल्शन मॉड्यूल:** चंद्रयान-3 के प्रोपल्शन मॉड्यूल के समान, लैंडर और एसेंडर को चंद्रमा तक ले जाने के लिए।
- **लूनर लैंडर:** चंद्रमा पर उतरने और नमूना संग्रहण उपकरण ले जाने के लिए।
- **लूनर एसेंडर:** नमूने एकत्र करने के बाद लैंडर से अलग होकर चंद्र कक्षा में जाने और डॉकिंग के लिए।
- **ट्रांसफर मॉड्यूल:** एसेंडर से नमूने लेकर री-एंट्री मॉड्यूल तक पहुंचाने के लिए।
- **री-एंट्री मॉड्यूल:** चंद्र नमूनों को सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर वापस लाने के लिए।

दोहरी रॉकेट लॉन्च रणनीति:

चंद्रयान-4 दो अलग-अलग रॉकेटों का उपयोग करेगा:

1. **लॉन्च व्हीकल मार्क-3 (LMV-3):** प्रोपल्शन, डिसेंडर और एसेंडर मॉड्यूल ले जाने के लिए।
2. **पोलर सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (PSLV):** ट्रांसफर और री-एंट्री मॉड्यूल को उनके निर्दिष्ट चंद्र कक्षा में पहुंचाने के लिए।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO):

- इसरो भारत की अंतरिक्ष एजेंसी है, जो **अंतरिक्ष अनुसंधान, अन्वेषण और विकास** का कार्य करती है।
- इसका मुख्यालय **बेंगलुरु, भारत** में स्थित है।
- **1969** में इसरो की स्थापना हुई, जिसने **भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुसंधान समिति (INCOSPAR)** का स्थान लिया।
- इसरो ने **1975 में भारत का पहला उपग्रह, आर्यभट्ट**, प्रक्षेपित किया।

100GW सौर ऊर्जा क्षमता का लक्ष्य पूरा / Target of 100GW solar power capacity achieved

संदर्भ:

केंद्रीय मंत्री **प्रल्हाद जोशी** ने बताया कि **भारत ने 100GW सौर ऊर्जा क्षमता** का महत्वपूर्ण लक्ष्य प्राप्त कर लिया है। साथ ही, देश **2030 तक 500GW नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता** हासिल करने के लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है।



सौर ऊर्जा क्षेत्र में वृद्धि:

- भारत की **सौर ऊर्जा क्षमता** पिछले एक दशक में **35 गुना** बढ़ी, जो **2014 में 2.82 गीगावाट (GW) से बढ़कर 2025 में 100 GW** हो गई।
- 31 जनवरी 2025 तक**, भारत की कुल **स्थापित सौर क्षमता 100.33 GW** तक पहुंच गई, जबकि **84.10 GW क्रियान्वयन के तहत** और **47.49 GW निविदा प्रक्रिया में** है।
- रुफटॉप सोलर सेक्टर** में 2024 में **4.59 GW** नई क्षमता स्थापित हुई, जो **2023 की तुलना में 53% अधिक** है।
- राजस्थान, गुजरात, तमिलनाडु, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश** उपयोगिता-स्तरीय सौर ऊर्जा परियोजनाओं में प्रमुख योगदान दे रहे हैं।
- भारत की **सौर ऊर्जा विनिर्माण क्षमता** 2014 में **2 GW से बढ़कर 2024 में 60 GW** हो गई, जिससे भारत **सौर मॉड्यूल उत्पादन में वैश्विक नेता** बन गया। भारत का लक्ष्य **2030 तक 100 GW** क्षमता प्राप्त करना है।

हाइब्रिड सौर परियोजना:

- परिभाषा:** हाइब्रिड सौर परियोजना उन **नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं** को संदर्भित करती है जो **सौर पैनल और पवन टरबाइन** दोनों का उपयोग करके बिजली उत्पन्न करती हैं।
- वर्तमान स्थिति:** भारत में **64.67 गीगावाट (GW) की हाइब्रिड सौर परियोजना** क्रियान्वयन के अधीन है।

भारत में सौर ऊर्जा का महत्व:

- भविष्य की ऊर्जा आवश्यकताएं:**
 - भारत की ऊर्जा खपत वैश्विक औसत से **तीन गुना** अधिक है।
 - अगले 20 वर्षों में वैश्विक ऊर्जा मांग वृद्धि का **25% भारत** द्वारा संचालित होगा।
 - सौर ऊर्जा आत्मनिर्भरता बढ़ाने और पर्यावरणीय प्रभाव कम करने में मदद करती है।
- उत्सर्जन लक्ष्य:**
 - राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (NDCs)** के तहत भारत का लक्ष्य **2030 तक उत्सर्जन तीव्रता में 45% की कटौती** करना है।
 - 50% गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता** प्राप्त करने की योजना है।
- जल सुरक्षा:**
 - कोयले पर निर्भरता के विपरीत**, सौर ऊर्जा को जल संसाधनों की आवश्यकता नहीं होती, जिससे **जल संकट से निपटने में मदद** मिलती है।
- ग्रामीण विद्युतीकरण:**
 - ऑफ-ग्रिड बिजली उत्पादन** को बढ़ावा देकर दूर-दराज के क्षेत्रों को लाभ पहुंचाता है।
 - तेजी से क्षमता विस्तार** संभव बनाता है।

सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने वाली पहलें:

- पीएम सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना:** मार्च 2027 तक 1 करोड़ घरों को सौर ऊर्जा से जोड़ने का लक्ष्य।
- सोलर पार्क योजना:** विकासकर्ताओं के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा और कानूनी मंजूरी प्रदान करता है।
- 100% प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI):** स्वचालित मार्ग के तहत पूरी विदेशी निवेश की अनुमति।
- ग्रीन टर्म अहेड मार्केट (GTAM):** सौर ऊर्जा का एक्सचेंज के माध्यम से व्यापार करने की सुविधा

दुर्लभ मृदा धातु / rare earth metals

संदर्भ:

अमेरिकी राष्ट्रपति **डोनाल्ड ट्रंप** ने एक समझौते की घोषणा की है, जिसके तहत **यूक्रेन अमेरिका को दुर्लभ खनिज देगा**। यह समझौता **युद्ध के समय अमेरिका द्वारा दिए गए समर्थन** के बदले में किया गया है।

रेयर अर्थ मेटल्स (दुर्लभ मृदा धातु):

- **परिभाषा:**
 - दुर्लभ पृथ्वी धातु **कुल 17 धात्विक तत्वों** का एक समूह है।
 - इसमें **15 लैंथेनाइड (Lanthanides)** तत्व शामिल हैं, साथ ही **स्कैंडियम (Sc) और इट्रियम (Y)**, जो लैंथेनाइड्स के समान भौतिक और रासायनिक गुण प्रदर्शित करते हैं।
- **17 दुर्लभ मृदा तत्व:**
 - सेरियम (Ce), डिसप्रोसियम (Dy), एर्बियम (Er), यूरोपियम (Eu), गैडोलिनियम (Gd), होल्मियम (Ho), लैंथेनम (La), लुटेटियम (Lu), नियोडिमियम (Nd), प्रासियोडिमियम (Pr), प्रोमथियम (Pm), समेरियम (Sm), स्कैंडियम (Sc), टर्बियम (Tb), थुलियम (Tm), इटरबियम (Yb), और इट्रियम (Y)।
- **महत्वपूर्ण गुण:**
 - इनमें चुंबकीय (magnetic), प्रकाशीय (luminescent), और विद्युरासायनिक (electrochemical) गुण होते हैं।
 - इनका उपयोग **कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स, कंप्यूटर, संचार, स्वास्थ्य देखभाल, राष्ट्रीय रक्षा, और स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों** में किया जाता है।
- **भविष्य की तकनीकों में उपयोग:**
 - उच्च तापमान सुपरकंडक्टिविटी (high-temperature superconductivity)।
 - हाइड्रोजन भंडारण और परिवहन (safe storage & transport of hydrogen) - पोस्ट-हाइड्रोकार्बन अर्थव्यवस्था के लिए।
- **"रेयर अर्थ" क्यों कहा जाता है?**
 - पहले इन्हें उनके **ऑक्साइड रूपों से निकालना तकनीकी रूप से कठिन** था।
 - ये कई खनिजों में पाए जाते हैं, लेकिन आमतौर पर **बहुत कम सांद्रता** में होते हैं, जिससे इन्हें आर्थिक रूप से परिष्कृत करना मुश्किल होता है।

दुर्लभ धातुओं का उपयोग:

- **प्रमुख अनुप्रयोग:**
 - **ग्लास, लाइट, मैग्नेट, बैटरियां और कैपेसिटिव कन्वर्टर** बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं।
 - इनका उपयोग **मोबाइल फोन से लेकर कारों तक** विभिन्न उत्पादों में किया जाता है।
- **उदाहरण:**
 - एक **विंड टरबाइन के मैग्नेट** बनाने के लिए लगभग **300 किलोग्राम नियोडिमियम (Neodymium)** की आवश्यकता होती है।

यूक्रेन में रेयर अर्थ मेटल्स और अन्य महत्वपूर्ण खनिज:

खनिज भंडार:

- यूक्रेन में **6 स्थानों** पर रेयर अर्थ मेटल्स और अन्य महत्वपूर्ण खनिज पाए जाते हैं।
- देश के कुल **खनिज संसाधन 111 अरब टन** हैं, जिनमें मुख्य रूप से **कोयला और लौह अयस्क** शामिल हैं।
- इनकी अनुमानित कीमत **14.8 ट्रिलियन डॉलर** है।

भौगोलिक स्थिति:

- **70% खनिज भंडार डोनेट्स्क और लुहान्स्क क्षेत्रों** में स्थित हैं।
- ये क्षेत्र **पूर्वी यूक्रेन में आते हैं, जिनका कुछ हिस्सा रूस के नियंत्रण में है।**

वैश्विक आपूर्ति में योगदान:

- यूक्रेन में **20 महत्वपूर्ण खनिज और धातुएं** पाई जाती हैं।
- यह देश दुनिया के **शीर्ष 10 आपूर्तिकर्ताओं** में शामिल है।
- वैश्विक कुल आपूर्ति का लगभग **5% यूक्रेन में उपलब्ध** है।

चीन का रेयर अर्थ पर एकाधिकार:

वैश्विक वर्चस्व:

- चीन ने समय के साथ **रेयर अर्थ मेटल्स के वैश्विक उत्पादन में प्रभुत्व** स्थापित किया।
- एक समय पर, चीन **वैश्विक आवश्यकता का 90%** उत्पादन करता था।
- वर्तमान में यह घटकर **70%** रह गया है, जबकि शेष उत्पादन अन्य देशों द्वारा किया जाता है, जिनमें **क्वाड (ऑस्ट्रेलिया, भारत, जापान, और अमेरिका)** शामिल हैं।

अमेरिका में रेयर अर्थ मेटल्स और अन्य महत्वपूर्ण खनिजों की स्थिति:

- **आयात मूल्य:**
 - **USGS (यूएस जियोलॉजिकल सर्वे)** के अनुसार, 2023 में अमेरिका द्वारा आयातित **रेयर अर्थ यौगिकों और धातुओं का मूल्य \$190 मिलियन** था।
 - यह **पिछले वर्ष की तुलना में 7% की कमी** दर्शाता है।
- **आयात निर्भरता:**
 - 2024 में, अमेरिका अपनी 80% रेयर अर्थ आवश्यकताओं के लिए चीन, मलेशिया, जापान और एस्टोनिया पर निर्भर है।

भारत में सोने में निवेश 2024 में 60% बढ़ा / Gold Investments in India Surge by 60% in 2024

संदर्भ:

वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के अनुसार, 2024 में भारत में सोने में निवेश 60% बढ़कर \$18 बिलियन (लगभग ₹1.5 लाख करोड़) तक पहुंच गया, जो पिछले साल की तुलना में बड़ी वृद्धि है।

रिपोर्ट के प्रमुख बिंदु:

- **भारत में सोने की निवेश मांग:**
 - 2024 में 239 टन, जो 2013 के बाद का उच्चतम स्तर है।
 - 2023 (185 टन) की तुलना में 29% वृद्धि दर्ज की गई।
- **वैश्विक सोने की मांग:**
 - 2023 में 945.5 टन से 25% वृद्धि हुई।
- **भविष्य की संभावना:**
 - सोने की मांग में और वृद्धि की उम्मीद, खासकर गोल्ड एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड्स (ETFs) और म्यूचुअल फंड्स में।
- **2025 का परिदृश्य: केंद्रीय बैंक और गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स (ETF) मांग को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।**
- **भारत:**
 - RBI ने 73 टन सोना अपने विदेशी मुद्रा भंडार में जोड़ा।
 - इससे सोने की हिस्सेदारी रिकॉर्ड 11% तक पहुंच गई।

सोने की मांग में वृद्धि के कारण:

1. **सोने की कीमतों में निरंतर वृद्धि:**
 - वर्षभर सोने की कीमतों में स्थिर वृद्धि इसका मुख्य कारण रहा।
 - निवेशकों ने मुद्रास्फूर्ति और आर्थिक अस्थिरता से बचाव के लिए सोने को प्राथमिकता दी।
2. **सांस्कृतिक मांग:**
 - शादी और शुभ अवसरों पर सोना खरीदने की पारंपरिक प्रवृत्ति से खुदरा मांग में वृद्धि हुई।
3. **शहरी खरीदारी प्रवृत्तियाँ:**
 - महानगरों में सोने की खरीदारी में वृद्धि देखी गई।
 - ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म ने छोटे सोने के निवेश बार और सिक्कों की तेजी से डिलीवरी देकर निवेश को आसान बनाया।
4. **अन्य परिसंपत्तियों का कमजोर प्रदर्शन:**
 - घरेलू स्टॉक मार्केट के औसत रिटर्न ने निवेशकों को सोने की ओर आकर्षित किया

सोने के संसाधनों की वर्तमान स्थिति:

- **वैश्विक भंडार और केंद्रीय बैंक क्रियाकलाप:**
 - नवंबर 2024 में, वैश्विक केंद्रीय बैंकों ने अपने स्वर्ण भंडार में 53 टन की वृद्धि की।
 - यह सोने को स्थिर और सुरक्षित संपत्ति के रूप में मान्यता देने का संकेत देता है, खासकर उभरते बाजारों में।
- **शीर्ष स्वर्ण भंडार वाले देश:**
 - संयुक्त राज्य अमेरिका (8,133.5 टन) दुनिया में सबसे अधिक स्वर्ण भंडार रखता है।
 - भारत शीर्ष 10 देशों में शामिल है, जिनके पास सबसे अधिक स्वर्ण भंडार हैं।
- **भारत में स्वर्ण संसाधन (1 अप्रैल 2015 तक):**
 - कुल स्वर्ण अयस्क भंडार: 501.83 मिलियन टन।
 - आरक्षित भंडार: 17.22 मिलियन टन।
 - शेष को अन्य संसाधनों के रूप में वर्गीकृत किया गया।

राज्यवार स्वर्ण अयस्क भंडार वितरण:

- बिहार – 44%, राजस्थान – 25%, कर्नाटक – 21%
- पश्चिम बंगाल – 3%, आंध्र प्रदेश – 3%, झारखंड – 2%
- अन्य (छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, केरल, महाराष्ट्र, तमिलनाडु) – 2%

खनिज अन्वेषण और सुधार:

- भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (GSI) सक्रिय रूप से भू-मानचित्रण और खनिज अन्वेषण में लगा हुआ है।
- भारत सरकार ने "Minerals Evidence of Mineral Contents Rules" में संशोधन किया, जिससे सोने सहित गहरे खनिजों के अन्वेषण और खनन में निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा दिया जा सके।

भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव

- **चालू खाता घाटा (CAD) बढ़ेगा:** अधिक सोने के आयात से विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव पड़ेगा।
- **मुद्रास्फूर्ति बढ़ेगी:** सोने की बढ़ती मांग से इसकी कीमतें बढ़ेंगी, जिससे महंगाई बढ़ सकती है।
- **वित्तीय बाजार प्रभावित होगा:** सोने में अधिक निवेश से शेयर बाजार में तरलता कम हो सकती है।

Su-57E स्टील्थ फाइटर / Su-57E stealth fighter

संदर्भ:

रुस का **Su-57E स्टील्थ फाइटर (पाँचवीं पीढ़ी)** का फ्लाइट डेमोस्ट्रेटर प्रोटोटाइप 6 फरवरी को बेंगलुरु के येलहंका एयर बेस पर उतरा, जो **Aero India 2025** में हिस्सा लेगा। भारत, **चीन के झुहाई एयरशो 2024** के बाद इस जेट का प्रदर्शन देखने वाला **दूसरा देश** बना है।

रुस का भारत को प्रस्ताव:

रुस भारत की **Su-57E स्टील्थ फाइटर** में रुचि बढ़ाने के लिए सक्रिय है। **Rosoboronexport** ने भारत को ये प्रस्ताव दिए हैं:

- **सीधा खरीद विकल्प:** भारत Su-57E लड़ाकू विमान सीधे खरीद सकता है।
- **संयुक्त उत्पादन:** भारत में Su-57E का उत्पादन मिलकर किया जा सकता है।
- **5वीं पीढ़ी के फाइटर पर सहयोग:** भारत के स्वदेशी **5वीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान** के विकास में रुस सहायता कर सकता है।

FGFA कार्यक्रम (फिफथ जेनरेशन फाइटर एयरक्राफ्ट)

- **2007 में भारत-रुस समझौता:**
 - **अक्टूबर 2007:** भारत और रुस ने **संयुक्त रूप से पाँचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान (FGFA) विकसित करने का प्रारंभिक समझौता** किया।
 - **2010 में सहमति:** FGFA को **T-50 प्रोटोटाइप (अब Su-57) के आधार पर विकसित** करने पर सहमति बनी।
 - **IAF संस्करण:**
 - FGFA को **Su-57 का द्विज-सीटर संस्करण** बनाने की योजना थी।
 - **भारतीय वायुसेना (IAF) की आवश्यकताओं के अनुसार कस्टमाइजेशन** शामिल था।
- **FGFA विकास समझौता:**
 - 21 दिसंबर 2010 को औपचारिक समझौता हुआ।
 - **प्रीलिमिनरी डिजाइन (PD) कॉन्ट्रैक्ट पर \$295 मिलियन का करार** हुआ।
 - **भारतीय इंजीनियरों को 20 प्रशिक्षण कार्यक्रमों में शामिल किया गया।**
 - यह प्रशिक्षण **जुलाई 2011 में पूरा हुआ**, लेकिन प्रोजेक्ट आगे नहीं बढ़ा।
- **FGFA प्रोजेक्ट में रुकावटें:**
 - **लागत, भारत की बर्कशेयर, टेक्नोलॉजी ट्रांसफर (ToT), और डिलीवरी शेड्यूल पर असहमति।**
 - IAF की मुख्य चिंताएँ:
 - **Su-57 का स्टेज-1 इंजन सुपरकूज़ (अतिविशिष्ट गति) करने में असमर्थ था।**
 - **ऑल-एस्पेक्ट स्टेल्थ की कमी।**

भारत की Su-57 में नई रुचि

- भारत ने अमेरिकी F-35 में रुचि नहीं दिखाई, जबकि चीन और पाकिस्तान बड़े पैमाने पर स्टेल्थ फाइटर तैनात कर रहे हैं।
- चीन (PLAAF) J-20 स्टेल्थ फाइटर बढ़ा रहा है, जबकि पाकिस्तान (PAF) J-31 और तुर्की-पाकिस्तान संयुक्त रूप से KAAAN जेट का उत्पादन कर सकते हैं।
- 2030 तक, चीन के पास ~300 J-20 और पाकिस्तान के पास ~30 J-31 हो सकते हैं, जिससे IAF को गंभीर स्टेल्थ चुनौती मिलेगी।
- इन खतरों को देखते हुए, भारत के लिए Su-57 जैसे स्टेल्थ फाइटर में रुचि अनिवार्य हो सकती है।

Sukhoi Su-57E:

परिचय:

- Su-57E **रुस का पाँचवीं पीढ़ी का स्टेल्थ फाइटर जेट** है, जिसे भारत को संयुक्त उत्पादन के लिए पेश किया गया है।
- यह **Sukhoi द्वारा विकसित द्विज-इंजन मल्टीरोल स्टेल्थ एयरक्राफ्ट** है।

प्रमुख विशेषताएँ:

- **स्टेल्थ:** सेरेटेड एजॉस्ट नोजल जो **रडार और इन्फ्रारेड सिग्नेचर को कम करता है।**
- **हथियार क्षमता:**
 - **7.4 टन तक** के हथियार ले जाने में सक्षम (एयर-टू-एयर और एयर-टू-ग्राउंड मिसाइलें)।
- **अधिकतम गति:**
 - लगभग **Mach 1.8 (2,222 किमी/घंटा)।**
- **अधिकतम परिचालन ऊँचाई:**
 - **54,100 फीट (16,500 मीटर)।**
- **कॉम्बैट रेंज:**
 - **1,864 मील (लगभग 3,000 किमी)।**

समुद्री हीटवेव / Marine heatwaves

संदर्भ:

जनवरी 2025 में, पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के तट पर 30,000 से अधिक मछलियों की मौत हो गई, जिसका कारण समुद्री हीटवेव (MHWs) बताया जा रहा है। हालिया विश्लेषण के अनुसार, जलवायु परिवर्तन के कारण ये घटनाएं 100 गुना तक अधिक संभावित हो गई हैं। यह हीटवेव सितंबर 2024 में शुरू हुई थी और अब भी जारी है।

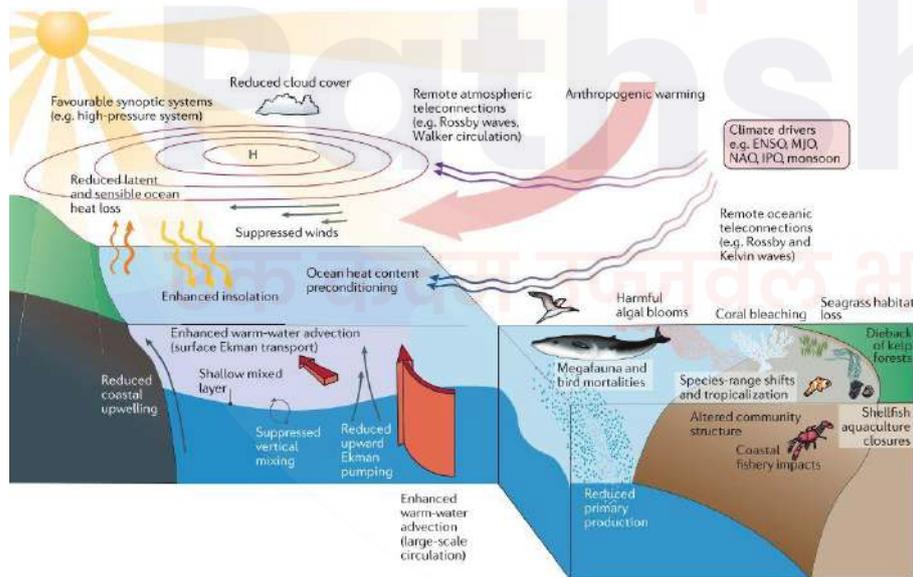
समुद्री हीटवेव (Marine Heatwave - MHW):

परिभाषा:

- समुद्री हीटवेव एक चरम मौसम घटना है, जिसमें समुद्र की सतह का तापमान असामान्य रूप से बढ़ जाता है।
- भारतीय मौसम विभाग (IMD) के अनुसार, जब किसी समुद्री क्षेत्र का तापमान 90वें प्रतिशतक से अधिक हो जाता है, तो इसे मरीन हीटवेव माना जाता है।

घटनाक्रम:

- जब समुद्री सतह का तापमान औसत से 3-4°C अधिक हो जाता है और यह स्थिति कम से कम 5 दिनों तक बनी रहती है।
- MHWs सप्ताहों, महीनों या वर्षों तक जारी रह सकते हैं।



समुद्री हीटवेव की तीव्रता बढ़ने के कारण:

मुख्य कारण:

- जलवायु परिवर्तन (Climate Change) प्रमुख कारक है।
- वैश्विक तापमान औद्योगिक युग से 1.3°C बढ़ गया, जिससे महासागर अतिरिक्त गर्मी का 90% अवशोषित कर रहे हैं।

समुद्र की सतह के तापमान में वृद्धि:

- 1850 से अब तक 0.9°C वृद्धि।
- पिछले चार दशकों में 0.6°C वृद्धि (Copernicus Climate Change Service के अनुसार)।

भविष्य के अनुमान:

- यदि वैश्विक तापमान 1.5°C बढ़ता है, तो समुद्री हीटवेव की घटनाएँ 16 गुना बढ़ेंगी।
- 2°C वृद्धि होने पर यह 23 गुना तक बढ़ सकती हैं (2018 के अध्ययन के अनुसार)।

हाल के रुझान (Recent Trends):

- समुद्री हीटवेव्स की आवृत्ति, आवृत्ति और तीव्रता बढ़ी है।
- 1982 से 2016 के बीच इनकी संख्या दोगुनी हो गई।
- IUCN के अनुसार, पिछले एक दशक में समुद्री हीटवेव्स में 50% की वृद्धि हुई है।

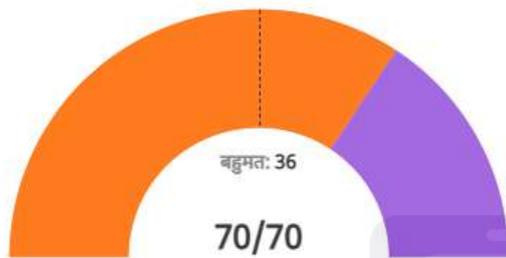
समुद्री हीटवेव के प्रभाव:

- समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र पर गंभीर प्रभाव:
 - 2010-11 में पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया की हीटवेव के कारण बड़े पैमाने पर मछलियों की मौत हुई और केल्प जंगल नष्ट हो गए, जो समुद्री जीवों के लिए महत्वपूर्ण आवास हैं।
 - कोरल ब्लैचिंग (Coral Bleaching):
 - समुद्री हीटवेव कोरल रीफ्स को कमजोर कर उनकी प्रजनन क्षमता घटाती है और उन्हें बीमारियों के प्रति अधिक संवेदनशील बनाती है।
 - 2024 में ग्रेट बैरियर रीफ को भीषण कोरल ब्लैचिंग का सामना करना पड़ा, जो लगातार सातवीं बार हुआ, समुद्री हीटवेव के लंबे समय तक बने रहने के कारण।

दिल्ली विधानसभा चुनाव / Delhi Assembly Election

संदर्भ:

दिल्ली विधानसभा चुनाव में **भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)** ने बहुमत हासिल करते हुए **70 में से 48 सीटों** पर जीत दर्ज की और **26 साल बाद सत्ता में वापसी** की।



पार्टी	2025	वोट%	पिछली स्थिति
● बीजेपी	48 (+40)	45.7%	8
● आप	22 (-40)	43.5%	62
● कांग्रेस	0 (0)	6.3%	0
● अन्य	0 (0)	4.5%	0

दिल्ली विधानसभा: एक संक्षिप्त परिचय

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि:

- **1952:** दिल्ली की पहली विधानसभा बनी, लेकिन इसकी शक्तियाँ सीमित थीं (Part-C राज्य के रूप में)।
- **1956:** विधानसभा को समाप्त कर दिल्ली को **केंद्र शासित प्रदेश** बना दिया गया।
- **1993:** 37 वर्षों के बाद दिल्ली को फिर से **70 सीटों वाली विधानसभा** मिली।

शासन संरचना:

- **1956-1993:** दिल्ली **मेट्रोपॉलिटन काउंसिल** द्वारा शासित थी, जिसकी सिफारिशी शक्तियाँ थीं, जबकि **केंद्रीय सरकार के पास कानून-व्यवस्था और भूमि जैसे महत्वपूर्ण विषयों का नियंत्रण** था।
- **1993 के बाद:** दिल्ली को **विधानसभा मिली, लेकिन पुलिस और भूमि जैसे प्रमुख विषय केंद्र सरकार के अधीन ही रहे।**

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 239AA

प्रवेश और विशेष दर्जा:

- **69वां संविधान संशोधन अधिनियम, 1991** के तहत जोड़ा गया।
- **एस बालकृष्णन समिति (1987)** की सिफारिशों के आधार पर **दिल्ली को विशेष दर्जा** प्रदान किया गया।

संरचना और प्रतिनिधित्व:

- दिल्ली विधानसभा में **70 निर्वाचित सदस्य** होते हैं।
- सरकार बनाने के लिए **कम से कम 36 सीटों पर जीत आवश्यक** है।
- **मंत्रिपरिषद विधानसभा के कुल सदस्यों के 10% तक सीमित** है, यानी दिल्ली में **अधिकतम 7 मंत्री** हो सकते हैं।

विधान बनाने की शक्तियाँ:

- विधानसभा **राज्य सूची और समवर्ती सूची** के विषयों पर कानून बना सकती है।
- **लोक व्यवस्था, पुलिस, भूमि (राज्य सूची की प्रविष्टियाँ 64, 65, 66) केंद्रीय नियंत्रण में रहती हैं।**

शासन संरचना:

- **मुख्यमंत्री की नियुक्ति राष्ट्रपति करते हैं, और वे मंत्रियों की नियुक्ति की सिफारिश करते हैं।**
- **उपराज्यपाल (LG) प्रशासक के रूप में कार्य करते हैं, और उन्हें विधानसभा को बुलाने, स्थगित करने और भंग करने की शक्ति प्राप्त है।**

न्यायिक व्याख्या:

- **2018 और 2023 में सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठों ने दिल्ली के शासन ढांचे और उसकी विधानमंडलीय एवं कार्यकारी शक्तियों को स्पष्ट किया।**

सहायक विधायी प्रावधान: राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार अधिनियम, 1991 लागू किया गया, जिससे **अनुच्छेद 239AA** के तहत दिल्ली के प्रशासन और शासन का ढांचा परिभाषित किया गया।

"GET READY FOR A WILD RIDE OF KNOWLEDGE !"

SUBSCRIBE OUR NEW YOUTUBE CHANNEL

ANKIT AVASTHI

Video will be upload soon !



ANKIT AVASTHI



RRB NTPC

TEST SERIES

- ✓ 100+ Mock Test
- ✓ 78 Sectional Test
- ✓ 40+ years PYPs
- ✓ 60+ Current affairs

TEST



Only

99 *Per Year*

Buy Now



GA FOUNDATION

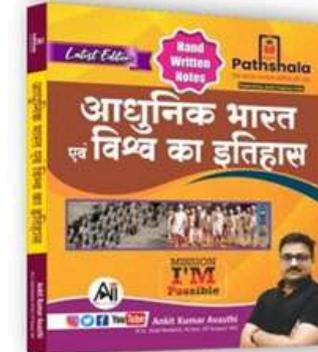
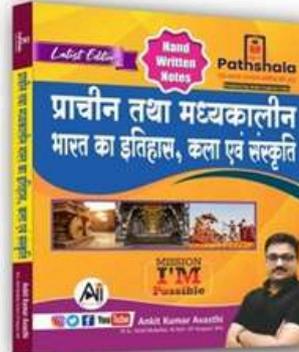
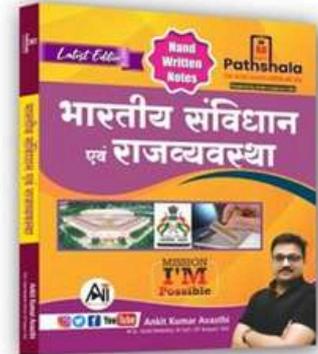
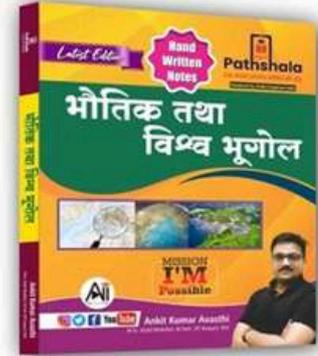
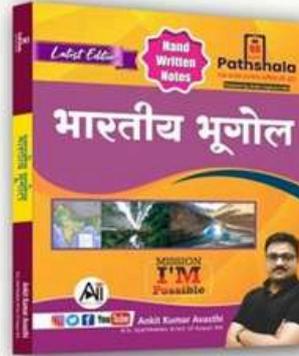
Hand Written
Notes


Pathshala
एक कदम उज्ज्वल भविष्य की ओर


Ani
Ankit Inspires India

₹ **Only**
1999

4 पुस्तकों
का
सम्पूर्ण सेट



अधिक जानकारी के लिए दिए
गए नंबर पर संपर्क करें....

 **7878158882**



APNI PATHSHALA

UPPSC, RO/ARO, BPSC, UP

TEST SERIES

UPPSC

(TEST SERIES)

- 35+ MOCK TESTS
- 40+ PYQ'S
- 180+ TOPIC WISE TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

299/-
YEAR

RO/ARO

(TEST SERIES)

- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

299/-
YEAR

BPSC

(TEST SERIES)

- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

299
YEAR

SSC

(TEST SERIES)

- 30 MOCK TESTS
- 28+ YEAR PYP
- 12 SECTIONAL TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

99/-
YEAR

RPF

(TEST SERIES)

- 40 MOCK TESTS
- 2 YEAR PYQ'S
- 4 SECTIONAL TEST
- 10 PRACTICE TEST
- 60 CURRENT AFFAIRS

99/-
YEAR



Download | Application

Apni Pathshala

7878158882

Apni.Pathshala Avasthiankit

AnkitAvasthiSir kaankit

ANKIT AVASTHI SIR

NCERT COMPLETE

FOUNDATION BATCH

▶ POLITY ▶ ECONOMICS
▶ HISTORY ▶ GEOGRAPHY

FOR ALL

 DAILY LIVE CLASSES

 WEEKLY TEST

 CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)

 LIVE DOUBT SESSIONS

 DAILY PRACTISE PROBLEM

Rs

4999/-



Apni Pathshala  7878158882

 Apni.Pathshala  kaankit  AnkitAvasthiSir  Avasthiankit

ONLY POLITY



1499
RS

DAILY LIVE CLASSES

-  WEEKLY TEST
-  CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
-  LIVE DOUBT SESSIONS
-  DAILY PRACTISE PROBLEM

Apni Pathshala



7878158882



Apni.Pathshala



kaankit



AnkitAvasthiSir



Avasthiankit

SSC TEST SERIES

CGL, CHSL, MTS, CET, CPO, GD,
Stenographer (Grades C & D)



Only at

99/- Year

Enroll Now!

